विधान सभा सचिवालय
मध्य प्रदेश
समाचार

विधानसभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम 83 वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में शामिल हुए

लोकसभा स्पीकर श्री ओम बिरला एवं उपसभापति राज्यसभा भी पहले दिन रहे मौजूद

प्रमुख सचिव विधानसभा श्री सिंह ने सचिवों के 59 वें सम्मेलन को किया संबोधित

भोपाल, 10 जनवरी, 2023

83वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन और भारत में विधायी निकायों के सचिवों का 59वां सम्मेलन दिनांक 10 जनवरी से 13 जनवरी तक जयपुर में आयोजित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश विधानसभा के माननीय अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम अभा पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं, वहीं विधानसभा के प्रमुख सचिव श्री ए.पी.सिंह भी सचिवों को सम्मेलन में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

सम्मेलन के पहले दिन विधानसभा अध्यक्ष श्री गौतम एआईपीओसी की स्थाई समिति की बैठक में स्थाई समिति के सदस्य के रूप में शामिल हुए। इस समिति के अध्यक्ष माननीय लोकसभा स्पीकर श्री ओम बिरला है एवं उपाध्यक्ष राज्यसभा के माननीय उपसभापति श्री हरवंश हैं। बैठक में मप्र विधानसभा अध्यक्ष श्री गौतम के साथ ही राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष श्री सीपी जोशी, मेघालय विधानसभा अध्यक्ष श्री मेताभ लेंगदोह, झारखंड विधानसभा अध्यक्ष श्री राजेंद्र नाथ मेहतो, तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष श्री एम. अप्पावू, असम विधानसभा अध्यक्ष श्री विस्वजीत दाइम्रे, गुजरात विधानसभा अध्यक्ष श्री शंकर चैधरी एवं लोकसभा के महासचिव श्री उत्पल कुमार सिंह शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए मप्र विधानसभा के अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम ने इस बात पर बल दिया कि सदन की वर्ष मंे निधार्रित बैठकें अवश्य होना चाहिए, कम से कम 60 दिन साल में सदन अवश्य चलना चाहिए। श्री गौतम ने विधानसभा को वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान करने का मुद्दा भी बैठक में उठाया, उन्होंने कहा कि इस संबंध मंे कई कमेटियों की रिपोर्ट भी आ चुकी हैं किंतु अभी तक राज्य सरकारों ने इस पर पालन नहीं किया है। श्री गौतम ने कहा कि पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में कई संकल्प और प्रस्ताव होते हैं, लेकिन उन पर अनुपालन सरकारों के माध्यम से ही संभव है, इसलिए यह भी जरूरी है कि माननीय लोकसभा स्पीकर की अध्यक्षता में उनका भी सम्मेलन बुलाया जाना चाहिए। माननीय लोकसभा स्पीकर श्री ओम बिरला में बैठक में कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की इच्छा के अनुरूप ई-विधान से सभी राज्यों की विधानसभाएं जल्द से जल्द जुड़ जाएं।

बुधवार को माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ के मुख्य आथित्य में अखिल भारतीय पीठासीन सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। बैठक में जी-20 में लोकतंत्र की जननी भारत का नेतृत्व, संसद एवं विधानमंडलों को अधिक प्रभावी, उत्तरदायी एवं उत्पादकतायुक्त बनाने की आवश्यकता, डिजीटल संसद के साथ राज्य विधानमंडलों का संयोजिकरण, संविधान की भावना के अनुरूप विधायिका और न्यायपालिका के बीच सामंजस्यपूर्ण संबंध बनाए रखने की आवश्यकता विषय पर चर्चा होगी।

मध्यप्रदेश विधानसभा में समिति प्रणाली के नवाचार को सशक्त बनाया: ए.पी. सिंह-प्रमुख सचिव'

जयपुर में आयोजित अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी एवं विधाई निकायों के प्रमुख सचिवोंध् सचिवों के सम्मेलन में भाग लेते हुए अवधेश प्रताप सिंह, प्रमुख सचिव, मध्य प्रदेश विधानसभा द्वारा उक्त विचार व्यक्त किए गए । श्री सिंह ने अपने संबोधन में विस्तार से उल्लेख किया कि मध्यप्रदेश विधानसभा में विधायिका के प्रति कार्यपालिका का उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने हेतु कुछ समितियों के कार्यों को विस्तार देकर सदस्यों के शिष्टाचार व सम्मान अनुरक्षण हेतु, कृषि विकास एवं पंचायती राज लेखा परीक्षण जैसी नवीन समितियां गठित की गईं।इसी तरह सभा समितियों को विभागों से तत्परता से जानकारी प्राप्त करने एवं प्रतिवेदनों के कार्यान्वयन के लिए भी प्रभावी कदम उठाए गए। इसे सराहा गया। उक्त के अतिरिक्त श्री सिंह द्वारा विधान मंडलों में डिजिटल प्रौद्योगिकी के उपयोग के संबंध में भी विचार व्यक्त किए गए।

विस/ जसं/ 23

नरेंद्र मिश्रा
अवर सचिव